उन चित्रों, शिलालेखों को
काल, अपने में लीन कर
इतिहास हीन न कर दे।

6. 'ब्रह्मराक्षस' कविता के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।
7. सुमित्रानंदन पन्त की 'परिवर्तन' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।
8. खण्डकाव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी परम्परा और विकास को समझाइए।
9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका।
जान तो अर्थागमोपाय
पर रहा सदा संकुचित काय
लखकर अनर्थ आर्थिक पथ पर
हारता रहा, मैं स्वार्थ समर
शुचिते, पहनाकर चीनांशुक
रख सका न तुझे अतः दधिमुख।
क्षीण का न छीना कभी अन्न
मैं लख न सका वे दृग विपन्न
अपने आँसुओं अतः बिम्बित
देखे हैं अपने ही मुख-चित्त।

HD–05

December – Examination 2021

B.A. (Part III) Examination

HINDI LITERATURE

आधुनिक काव्य

Paper : HD-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंकों का है।

1. (i) लम्बी कविता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
   (ii) 'कनुप्रिया' के रचयिता का नाम बताइए।
   (iii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के किन्हीं **चार** काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(iv) 'ब्रह्म राक्षस' कविता की मूल संवेदना लिखिए।

(v) मुक्तिबोध की **दो** लम्बी कविताओं के नाम बताइए।

(vi) अज्ञेय की चर्चित लम्बी कविता 'असाध्य वीणा' मूलत: किस संग्रह में प्रकाशित हुई ?

(vii) धूमिल की लम्बी कविता 'पटकथा' किस संग्रह में प्रकाशित हुई ?

(viii) 'कुआनो नदी' कविता का उद्देश्य बताइए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

देह पर पाषाण का
गुरु भार ढोते
संतुलित करते उसे फिर
और फिर उससे
बराबर खेल करते
खुद हुआ पाषाण वह।

कुछ नहीं उद्देश्य उसका,
अर्थ उसका
ध्येय उसका,
सिर्फ सक्रिय हर समय रहता
स्वचालित यन्त्र जैसे।
और वह अपनी महादयनीय स्थिति से
बेखबर है।

4. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की 'सरोज स्मृति' की भावपक्षीय विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इतिहास
खड़ग् से नहीं
मानवीय उदात्तता से लिखा जाना चाहिए।
क्या होगा
इतिहास को इतना दास बनाकर कि
वह राजभित्तियों पर चित्रित तथा
शिलालेखों पर उत्कीर्णित
हमारी चारण गाथा लगे,
और जीवन्तता के अभाव में